सोलर ऊर्जा क्षेत्र में 500 अरब डालर का होगा निवेश

- इंटरनेशनल सोलर अलायंस की सातवीं बैठक में भारत फिर से चुना गया आइएसए का प्रेसिडेंट
- आम बजट में देश में 37,500 मेगावाट क्षमता के 50 सोलर पार्क बनाने का किया गया है एलान

भारत में सौर ऊर्जा से 90 हजार मेगावाट बिजली बनाने की क्षमता स्थापित हो चुकी है और देश वर्ष 2030 तक रिन्यूवेबल सेक्टर से पांच लाख मेगावाट बिजली बनाने के लक्ष्य की तरफ अग्रसर है। इस लक्ष्य को हासिल करने में सौर ऊर्जा की बड़ी अहमियत होगी।

-प्रल्हाद जोशी

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : सौर ऊर्जा क्षेत्र तेजी से वैश्विक निवेश का केंद्र बनता जा रहा है। इतना ही नहीं जिस तरह से निवेशक इसके प्रति आकर्षित हो रहे हैं, उससे साफ है कि इस सेक्टर में पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों के मुकाबले ज्यादा संभावना देखी जा रही है। नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री (एमएनआरई) प्रल्हाद जोशी का कहना है कि वर्ष 2024 में वैश्विक सोलर सेक्टर में 500 अरब डालर का नया निवेश होने जा रहा है, जबकि पिछले वर्ष यह निवेश 393 अरब डालर था। जोशी ने इंटरनेशनल सोलर अलायंस (आइएसए) की 7वीं सालाना बैठक के उद्घाटन सत्र में यह बात कही। आइएसए में 120 सदस्य देश हैं और इसे भविष्य में तेल उत्पादक देशों के संगठन ओपेक की तरह ही ऊर्जा क्षेत्र में एक मजबूत लाबी की तरह देखा जा रहा है।

जोशी ने बताया कि भारत को फिर से दो वर्षों के लिए (वर्ष 2024 से वर्ष 2026) के लिए आइएसए का प्रेसिडेंट और फ्रांस को वाइस प्रेसिडेंट चुना गया है। जोशी ने कहा, 'सोलर सेक्टर में निवेश जैसे-जैसे बढ़ रहा है, उससे उत्पादित ऊर्जा की लागत भी कम होती जा रही है। वर्ष 2018 में इस सेक्टर में सिर्फ 188 अरब डालर का निवेश हुआ था।' आइएसए वर्ष 2030 तक सौर ऊर्जा सेक्टर में 1000 अरब डालर का निवेश आमंत्रित करने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रहा है।

भारत में सौर ऊर्जा के क्षेत्र में विदेशी निवेश बहुत कम

वैसे तो भारत तेजी से सौर ऊर्जा क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है लेकिन यहां होने वाला निवेश चीन और कुछ दूसरे देशों के मुकाबले बहुत कम है। सरकारी आकड़ों के मुताबिक पिछले तीन वर्षों में सिर्फ 3.8 अरब डालर का विदेशी निवेश हुआ है। वैसे केंद्र सरकार की तरफ से सौर ऊर्जा सेक्टर में भारत को आत्मनिर्भर बनाने को लगातार प्रोत्साहन दिया जा रहा है। तीन अरब डालर की पीएलआइ भी लांच की गई है। आम बजट में देश में 37,500 मेगावाट क्षमता के 50 सोलर पार्क बनाने की योजना की भी घोषणा की गई है।